

15/10

30⁵/₁₉

कठपुतली पेशा है (वाही व डगके शायिकका)
 उपलब्ध नहीं। वार-2 डीवण लमाईपडि
 कीड उपलब्ध नहीं। वाही व डगके शायिकका
 की अनुपलब्धि में वार डगके शायिक व शय्य
 प्रशुकी में खासिका किटा जाता है। कठपुतली
 कीलक सुकाए होकर सुम्बर लेका हो तथा
 वह कठपुतली नीचा गच्छाए ही।

15/10